सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी (केन्द्रिक) सेट-1
(foreign) 2017

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित 7 पृष्ठ हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15)

कविता और संगीत में बहुत साम्य है। महाकवि मिल्टन ने, जो स्वयं संगीत का बहुत प्रेमी था, इन दोनों कलाओं को एक-दूसरे की बहन बताया है। कविता और संगीत दोनों गतिशील कलाएँ हैं। ये दोनों स्थिर रूप में एक बार ही ग्रहण नहीं की जातीं। प्रत्येक पंक्ति के साथ कविता का और स्वर के प्रत्येक आरोह और अवरोह के साथ संगीत का प्रभाव आगे बढ़ता है। एक चित्र को हम एक ओर से दूसरी ओर, दाहिने से बाएँ और ऊपर से नीचे जिस प्रकार चाहें देखकर एक-सा आनंद उठा सकते हैं, पर कविता और संगीत में गति आगे की ओर बढ़ती है, इससे आगे से पीछे लौटकर उलटी रीति से इन कलाओं का आनंद हम नहीं उठा सकते। फिर, कविता और संगीत दोनों ही ध्वनि और लय का उपयोग करते हैं, यद्यपि कविता की अपेक्षा संगीत में उनका कहीं अच्छा उपयोग होता है। इसका कारण यह है कि संगीत में केवल स्वर ही प्रयुक्त किए जाते हैं और इसलिए उसका माध्यम कहीं अधिक लचीला है। कविता में स्वर वणों के साथ व्यंजन मिलकर उसके माध्यम को कम लचीला बना देते हैं। दूसरी ओर कविता की विशेषता यह है कि शब्दों की सहायता से वह भावों को अधिक स्पष्ट रूप से प्रकट कर सकती है। संगीत जिस भाव को केवल स्वरों के संकेत मात्र से अवगत कराएगा, कविता उसे रूप देकर सामने खड़ा कर देने में समर्थ होती है। दूसरी बात यह है कि संगीत की अपेक्षा कविता का क्षेत्र कहीं अधिक विस्तृत है। संगीत कुछ भाव, कुछ मानसिक परिस्थितियों को ही प्रकट कर सकता है। संगीत द्वारा हर्ष, करुणा और विषाद की बड़ी अच्छी अभिव्यक्ति हो सकती है, किंतु बाह्य जगत् के चित्रण में संगीत का कोई हाथ नहीं। संगीत द्वारा हम किसी युद्ध-घटना का वर्णन नहीं कर सकते। कविता बाह्य और अंतर दोनों परिस्थितियों को प्रकट करने में समर्थ है। कविता के द्वारा कवि घटनाओं और पदार्थों का वर्णन उसी सुगमता से कर सकता है; जैसे - सुख, दुख, हर्ष, विस्मय, विषाद आदि भावों का।

(क) कविता और संगीत को गतिशील कलाएँ क्यों कहा है? (2)

(ख) कविता और संगीत की दो असमानताओं का उल्लेख कीजिए। (2)

(ग) किस माध्यम के द्वारा युद्ध और पदार्थ तथा सुख-दुख दोनों ही कला हो सकते हैं? दूसरा माध्यम ऐसा क्यों नहीं कर पाता? (2)

(घ) संगीत की अभिव्यक्ति की सीमाएँ क्या हैं? (2)

(ङ) चित्र का आनंद उठाने में और कविता-संगीत का आनंद उठाने में क्या अंतर है? (2)

(च) स्वरों और व्यंजनों के उपयोग में संगीत और कविता में क्या अंतर है? (2)

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए : "बाह्य जगत् के चित्रण में संगीत का कोई हाथ नहीं।" (2)

(ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

उत्तर- (क)

- स्थिर नहीं है और एक ही बार में ग्रहण नहीं की जा सकती।
- प्रत्येक पंक्ति के साथ कविता का तथा स्वर के प्रत्येक आरोह और अवरोह के साथ संगीत का प्रभाव आगे बढ़ता है।

(ख)

- कविता का क्षेत्र का विस्तृत, संगीत का सीमित
- कविता का अपेक्षाकृत कम लचीला जबकि संगीत का क्षेत्र अत्यंत लचीला
- कविता में बाह्य जगत का चित्रण संभव जबकि संगीत में नहीं
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)

(ग)

- कविता के माध्यम द्वारा
- दूसरे माध्यम (संगीत) द्वारा बाह्य जगत का चित्रण संभव नहीं/दृश्य बिंब उपस्थित न कर पाने के कारण

(घ)

- बाहरी जगत के चित्रण में संगीत सक्षम नहीं
- संगीत कुछ भाव और मानसिकपरिस्थितियों को ही प्रकट कर सकता है

(ङ)

- चित्र का आनंद किसी भी कोण से उठाया जा सकता है
- कविता और संगीत का आनंद केवल गतिशीलता में निहित है

(च)

- संगीत में भावाभिव्यक्ति सीमित लेकिन स्वरों के कारण लचीलापन अधिक
- कविता में स्वर के साथ व्यंजन के मेल से लचीलापन कम

(छ)

- संगीत द्वारा भावों को सांकेतिक रूप में ही अभिव्यक्ति किया जा सकता है
- युद्ध-घटनाओं जैसा वर्णन यहाँ संभव नहीं

(ज)

- कविता और संगीत
- अभिव्यक्त का माध्यम-कविता और संगीत
  (अन्य सटीक उत्तर भी स्वीकार्य)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (1×5=5)

उन्नति तथा अवनति प्रकृति का नियम एक अखंड है,

चढ़ता प्रथम जो व्योम में गिरता वही मार्तंड है।

अतएव अवनति ही हमारी कह रही उन्नति-कला,

उत्थान ही जिसका नहीं उसका पतन हो क्या भला?

होता समुन्नति के अनंतर सोच अवनति का नहीं,

हाँ, सोच तो है जो किसी को फिर न हो उन्नति कहीं।

चिंता नहीं जो व्योम-विस्तृत चंद्रिका का ह्रास हो,

चिंता तभी है जब न उसका फिर नवीन विकास हो।।

हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी

आओ विचारें आज मिलकर ये समस्याएँ सभी।।

(क) उत्थान और पतन के नियम को कैसे समझाया गया है?

(ख) अवनति के बारे में कब पश्चाताप नहीं होता और क्यों?

(ग) कवि के विचार से शोचनीय स्थिति क्या है?

(घ) हमें मिलकर क्या विचार करने की आवश्यकता है और क्यों?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए: 'उत्थान ही जिसका नहीं उसका पतन हो क्या भला?'

उत्तर- (क) उत्थान और पतन प्राकृतिक नियम जो ऊपर चढ़ता है, उसका पराभव भी होता है। जिसका पराभव होता है। वह पुनः उत्थान हेतु प्रयत्नशील होता है।

(ख) निरंतर प्रयत्नशील रहने और पुनः उत्थान को प्राप्त करने पर नवीन विकास सुनिश्चित है।

(ग) पतन के पश्चात उन्नति/विकास हेतु प्रयत्नशील न होना

(घ)

- वैभवशाली अतीत को याद करें।
- कैसे थे, क्या हो गए और क्या होंगे- इस स्थिति पर विचार करते हुए पुनः उन्नति को प्राप्त करें।

(ङ) जो कर्मशील होता है, सफलता और असफलता उसी को मिलती है लेकिन जो प्रयत्नशील नहीं है उन्हें उत्थान-पतन का अनुभव भी नहीं होता।

खण्ड-'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) क्यों पढ़ूँ मैं हिन्दी

(ख) भारत का भविष्य

(ग) नर से बढ़कर नारी

(घ) आज की शिक्षा-पद्धति

उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध

- भूमिका/प्रस्तावना
- विषयवस्तु
- भाषा

4. कन्या-भ्रूणहत्या पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान के दो उपाय भी सुझाइए। (5)

उत्तर- पत्र-लेखन

- प्रारंभ एवं अंत की औपचारिकताएँ

- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा

अथवा

बाढ़-पीड़ित क्षेत्रों में सहायता कार्य के लिए कुछ स्वस्थ युवा स्वयंसेवकों की आवश्यकता है। सचिव, गंगा-जमुनी सेवा संघ प्रयाग को अपनी रुचि और योग्यता का विवरण देते हुए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

उत्तर- पत्र-लेखन

- प्रारंभ एवं अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा

5. निम्नलिखित प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर लिखिए: (1x5=5)

(क) संपादकीय का महत्व बताइए।

(ख) 'पीत पत्रकारिता' से आप क्या समझते हैं?

(ग) पत्रकारिता की बैसाखियों से क्या तात्पर्य है?

(घ) अच्छे पत्रकार में संदेह करने का स्वभाव होना क्यों आवश्यक है?

(ङ) 'स्टिंग ऑपरेशन' की उपयोगिता बताइए।

उत्तर- (क) किसी समसामयिक घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति समाचार पत्र की राय

(ख) सनसनीखेज़ समाचारों की प्रस्तुति

(ग)

- सच्चाई
- संतुलन
- निष्पक्षता
- स्पष्टता
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)

(घ) सच्चाई का निष्पक्षता से पता लगाने के लिए।

(ङ) सार्वजनिक महत्त्व के मामलों में भ्रष्टाचार, अनियमितता तथा गड़बड़ियों को उजागर करना।

6. 'सड़क-दुर्घटना का दारुण दृश्य' अथवा 'प्राकृतिक आपदा' पर एक आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक विषय पर आलेख-लेखन

- विषय-वस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा

7. 'किसी पर्यटन-स्थल का नैसर्गिक सौंदर्य' अथवा 'चुनाव-प्रचार की नई-नई विधियाँ' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक विषय पर फ़ीचर-लेखन

- विषय-वस्तु
- अभिव्यक्ति
- भाषा

खण्ड-'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4=8)

रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष

अंगना-अंग से लिपटे भी

आतंक अंक पर काँप रहे हैं।

धनी, वज्र गर्जन से बादल !

त्रस्त नयन - मुख ढाँप रहे हैं।

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,

तुझे बुलाता कृषक अधीर,

ऐ विप्लव के वीर !

चूस लिया है उसका सार,

हाड़ मात्र ही है आधार

ऐ जीवन के पारावार !

(क) धनिकों की जीवन-शैली और भय के कारणों पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) ग़रीबों की स्थिति का चित्रांकन अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) किसान अधीर क्यों है? वह किस बादल को बुला रहा है?

(घ) बादल को 'विप्लव का वीर' और 'जीवन का पारावार' क्यों कहा है?

उत्तर- (क)

- धनिकों का आर्थिक संसाधनों पर कब्जा तथा भोग-विलास में निमग्न
- निर्बल वर्ग की क्रांति-गर्जना से त्रस्त और कंपित।

(ख)

- गरीबों के शरीर जीर्ण-शीर्ण, कमजोर, नरकंकाल मात्र।
- अत्यंत दयनीय स्थिति

(ग)

- आर्थिक-सामाजिक बदलाव की प्रतीक्षा में वर्षा/ न होने के कारण
- क्रांति के अग्रदूत बादलों को।

(घ)

- परिवर्तन के प्रतीक
- नवजीवन प्रदान करने वाले

अथवा

तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेला अब

सहा नहीं जाता है

सहा नहीं जाता है।

ममता के बादल की मँडराती कोमलता-

भीतर पिराती है

कमज़ोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह

छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है

बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है।

(क) काव्यांश में 'तुम' कौन है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

(ख) प्रकाश कैसा है? वह कवि को असहनीय क्यों हो गया?

(ग) 'सहर्ष स्वीकारा है' कहने वाले कवि को आत्मीयता बरदाश्त क्यों नहीं होती?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए : "ममता के बादल को मँडराती कोमलता"।

उत्तर- (क)

- कवि की प्रिया/माता/पत्नी/कोई भी अन्य
- कविता में अनेक संभवानाएँ हैं।

(ख)

- असीमित प्रकाश
- अतिशय लगाव या प्रेम सीमा से अधिक होने पर

(ग)

- अत्यधिक प्रेम के कारण उसकी आत्मा कमजोर हो गई; भविष्य की अनहोनी डराती है।
- औपचारिकता में विश्वास नहीं रखने के कारण

(घ)

- स्नेह और प्रेम का अतिरेक तथा कोमलता/अत्यधिक आत्मीयता।
- ममता के अहसास से भयभीत

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×3=6)

कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,

तैरती साँझ की सहेज श्वेत काया।

हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।

उसे कोई तनिक रोक रक्खो।

(क) काव्यांश में मानवीकरण के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) पंक्तियों से उभरते दृश्य-बिंब को समझाइए।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- (क)

- तैरती सांझ की श्वेत काया
- सांझ का मानवीकरण करते हुए उसे श्वेत काया बताया है।

(ख)

- आकाश में बादलों का छा जाना
- सांझ का तैरना और धीरे-धीरे गहराना।

(ग)

- सरल-सुबोध भाषा/खड़ी बोली
- अलंकारयुक्त भाषा।
- देशज शब्दों का प्रयोग।
- मनोहारी बिंब योजना।
  (कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) 'बात सीधी थी पर' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) "तुलसी की कविता में समकालीन समाज के कष्टों की झलक है किंतु वहाँ भी वे भक्ति का पुट लगाने में पीछे नहीं रहते।" कवितावली से संग्रहीत कवितों के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) "'कैमरे में बंद अपाहिज़' में कार्यक्रम प्रस्तोता सामाजिक उद्देश्य से भटक गया है और यह मीडिया की बहुत बड़ी कमज़ोरी है।" टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- (क)

- जिस प्रकार हर पेंच के लिए एक निश्चित खांचा उसी प्रकार हर बात के लिए एक खास शब्द अनावश्यक शब्दजाल से बचें
- कविता के कथ्य और माध्यम (भाषा) के द्वंद्व का चित्रण
- सीधी, सरल, सहज भाषा भावाभिव्यक्ति के अनुकूल।
  (कोई भी तीन बिंदु अपेक्षित)

(ख)

- तत्कालीन समाज के किसान, भिखारी, बनिक, चाकर आदि जीविकाविहीन
- दरिद्रता रूपी रावण का दहन भगवान राम द्वारा ही संभव

(ग)

- अपाहिज व्यक्ति के माध्यम से दर्शकों की सहानुभूति प्राप्त कर कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ाना
- अपाहिज व्यक्ति को बोलने का अवसर न देना
- कार्यक्रम सहज एवं वास्तविक न होकर बनावटी एवं अतिनाटकीय

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना-इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन - धूप, वर्षा, आँधी, लू- अपने आप में सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था? क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ?

(क) शिरीष की तुलना अवधूत से क्यों की गई है?

(ख) 'एक बूढ़ा' किसे कहा है? वह कैसी परिस्थितियों में स्थिर रह सका?

(ग) शिरीष और उस 'बूढ़े' के संदर्भ में कोमल और कठोर होने का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) लेखक का मन जो पूछता है उसका उत्तर क्या होगा?

उत्तर- (क)

- अवधूत अर्थात संन्यासी, फक्कड़, अलमस्त, सांसारिक सुख-दुख से निर्लिप्त
- अवधूत कठिन परिस्थितियों में भी फक्कड़ की तरह जीता है और शिरीष भयंकर लू की मार झेलकर भी फलता-फूलता है।

(ख)

- महात्मा गाँधी को
- देश के अंदर मची लूट-पाट, मारकाट, तथा खून-खराबे के बीच भी स्वयं के आधार पर आत्मबल एवं दृढ़ता

(ग)

- शिरीष-पुष्प कोमल है, पक्षी के बैठने पर भी झड़ जाता है लेकिन फल कठोर हैं क्योंकि जल्दी गिरते नहीं।
- गाँधी जी दूसरों के प्रति कोमल लेकिन अनुशासन और नियम पालन में कठोर

(घ) क्योंकि दोनों ही

- भौतिकता के प्रति निर्लिप्त
- आत्मदृढ़
- जिजीविषु
- जीवन के प्रति सकारात्मक
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×4=12)

(क) 'नमक' कहानी की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(ख) डॉ. आंबेडकर के 'दासता' पर क्या विचार हैं? लिखिए।

(ग) बाज़ार का बाज़ारूपन से लेखक का क्या आशय है? उसे कौन लोग बढ़ाते हैं और कैसे?

(घ) भक्तिन के स्वभाव की तीन विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए।

(ङ) बचपन के संघर्षों से चार्ली चैप्लिन का व्यक्तित्व कैसे प्रभावित हुआ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) प्रसंगिकता-बिंदु-

- मानवीय संवेदननाओं का यथार्थ-चित्रण
- विस्थापित-पुनर्वासित जनों के दिलों को टटोलती
- विस्थापन के दर्द और वतन छोड़ने की टीस
- वर्तमान में होते हुए भी अतीतजीवी
- लोगों के सुख-दुख से भावात्मक लगाव
- अनचाही अप्रीतिकर बाह्य बाध्यता हृदय को विवश नहीं कर सकती।
  (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

(ख)

- दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने की विवशता
- केवल कानूनी पराधीनता नही
- प्रतिभा के विरुद्ध परंपरागत पेशा अपनाने की बाध्यता

(ग)

- दिखावे के लिए अनावश्यक खरीददारी ही बज़ारूपन
- मन खाली और धन से भरी जेबों वाले
- बाज़ारु आकर्षण में फंसे लोग, जो अनावश्यक खरीददारी करते है।

(घ)

- स्वामिभक्त
- स्वाभिमानी
- परिश्रमी
- जिद्दी
- वाचाल/वाक्पटु
- स्नेहिल
  (कोई तीन विशेषताएँ उदाहरण सहित अपेक्षित)

(ङ)

- वर्ण व्यवस्था को तोड़ा
- व्यंग्य की मारक क्षमता का विकास
- हर्ष-विषाद को समभाव से स्वीकार करना
- सदैव हँसमुख रहना
- करुणा और हास्य का सामंजस्य
- पी़डित मानवता के दुखों का हास्य द्वारा परिहार
  (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

13. जीवन-मूल्यों की दृष्टि से जूझ' कहानी के कथानायक और उसके अध्यापक की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। (5)

उत्तर- <u>कथा नायक की विशेषताएँ</u>

- संघर्षशील
- जुझारु
- परिश्रमी

- आज्ञाकारी
- आत्मविश्वासी
- सकारात्मक
- अध्ययन के प्रति समर्पित/इच्छुक/लगनशील

अध्यापक की विशेषताएँ-

- सहृदय
- स्नेहशील
- परोपकारी/मददगार
- प्रेरक व्यक्तित्व
- सकारात्मक
- कर्मठ
  (कोई तीन बिंदु अपेक्षित, विद्यार्थियों के अन्य तर्क सहित उत्तर भी स्वीकार्य)

14. (क) "यशोधर पंत अतीतजीवी हैं, ऐसे लोग समय की दौड़ में पिछड़ जाते हैं।" - पक्ष या विपक्ष में अपने विचार तर्क-सहित दीजिए। (5)

(ख) ऐन फ्रेंक और उसके मित्र के स्वभाव पर चर्चा कीजिए। (5)

उत्तर- (क)

(ख) **ऐन फ्रेंक-**

- उम्र के विपरीत परिपक्वता
- चिंतन मननशील स्वभाव
- सहनशील
- स्त्रियों की शिक्षा और विकास की पक्षधर
- मानवाधिकारों की हिमायती
- स्वाध्यायी
- एकांतप्रिय

मित्र-

- शांतिप्रिय एवं सहनशील
- सहज और आत्मीय
- अंतर्मुखी

- अंधविश्वासों का विरोधी
- सहृदय दोस्त/मित्र
- दृढ़निश्चयी

  (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)